सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 121 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 जून, 2022

मूल्य ₹ 3/-

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य न प्राप्त हो जाये।
-स्वामी विवेकानंद

यूपी विधान मंडल में महिला सदस्यों... 8 | अब दिल्ली की राजनीतिक पिच... 3 | बारातियों से भरी कार पलटी तीन... 7

नूपुर शर्मा की टिप्पणी से दुनिया भर में बवाल

खाड़ी देशों की नाराजगी से सरकार बैकफुट पर

» कतर, कुवैत, ईरान और सऊदी अरब ने की आलोचना, ओआईसी ने भारत पर लगाया मुस्लिमों को निशाना बनाने का आरोप

» संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से हस्तक्षेप की अपील, भारत के राजदूतों को किया तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा की प्रवक्ता रही नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के बाद दुनिया भर में बवाल मच गया है। 57 मुस्लिम देशों के संगठन इस्लामिक सहयोग संगठन और छह खाड़ी देशों के संगठन गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ने इस मामले पर न केवल अपनी नाराजगी जाहिर की है बल्कि भारत पर मुस्लिमों को निशाना बनाए जाने का आरोप भी लगाया है। वहीं खाड़ी देशों की नाराजगी पर भारत सरकार बैकफुट पर है

क्या है मामला

भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसे लेकर मुस्लिम देश नाराज हैं। इस पूरे विवाद में नूपुर शर्मा को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रभारी नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। भाजपा की ओर से एक पत्र जारी कर कहा गया है कि इस तरह की टिप्पणी भाजपा के मूल विचार के विरोध में हैं।

क्या कहना है भारत सरकार का

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, भारत सरकार ओआईसी सचिवालय की तरफ से की गई अनुचित और संकीर्ण सोच वाली टिप्पणियों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है। भारत सरकार सभी धर्मों को सर्वोच्च सम्मान देती है। एक धार्मिक व्यक्तित्व को बदनाम करने वाले आपत्तिजनक ट्वीट और टिप्पणियां कुछ लोगों द्वारा की गई थीं। वे किसी भी रूप में भारत सरकार के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उन व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित संस्थाएं पहले ही कड़ी कार्रवाई कर चुकी हैं। यह खेदजनक है कि ओआईसी सचिवालय ने एक बार फिर से प्रेरित, भ्रामक और शरारतपूर्ण टिप्पणी की है। यह केवल निहित स्वार्थों के इशारे पर अपनाए जा रहे विभाजनकारी एजेंडे को दिखाता है।

और भाजपा ने विवादित टिप्पणी पर अपने दो नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है।

हालांकि इस कार्रवाई से खाड़ी देश संतुष्ट होते हैं या नहीं, यह देखने वाली बात होगी। विवादित टिप्पणी पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने भारत सरकार को घेरा है और संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि भारत में मुसलमानों को निशाना बनाने के खिलाफ जरूरी कदम उठाए जाएं। ओआईसी ने कहा कि भारत में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। मुस्लिमों पर पाबंदी लगाई जा रही है। पैगंबर मोहम्मद के किसी भी तरह के अपमान के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को तलब कर विरोध जताया है। कतर-कुवैत ने भारत सरकार से इस बयान पर माफी की मांग की है। सऊदी अरब ने भी ऐतराज जताया है। सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल-सऊद ने कहा है कि पैगंबर मोहम्मद का ऐसा अपमान अस्वीकार है। एक बयान में कहा गया है कि सऊदी अरब सभी धर्मों का सम्मान करता है। देश इस्लामी प्रतीकों या किसी भी धर्म के प्रतीकों के उल्लंघन को अस्वीकार करता है।

एक टीवी डिबेट में नूपुर ने की थी पैगंबर पर विवादित टिप्पणी, दबाव के कारण भाजपा को करनी पड़ी कार्रवाई

मामले ने पकड़ा तूल तो अर्थव्यवस्था को हो सकता है नुकसान

भारत और खाड़ी देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से रिश्ते काफी मजबूत रहे हैं। भारत अपनी जरूरत के ऑयल का बड़ा हिस्सा इन्हीं देशों से आयात करता है। विदेश मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, लगभग 76 लाख भारतीय मिडिल ईस्ट देशों में काम करते हैं। वे अपनी कमाई का एक हिस्सा यहां भेजते हैं। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होती है। वहीं कोरोना की चोट से अभी तक भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह उबर नहीं पाई है। ऐसे में अगर मामला ज्यादा तूल पकड़ता है तो इससे देश की आर्थिक सेहत को काफी नुकसान पहुंच सकता है। भारत अपनी जरूरत का कुल 52.7 फीसदी तेल इन्हीं देशों से आयात करता है।

सपा ने आजमगढ़ से धर्मेंद्र तो रामपुर से आसिम को चुनावी जंग में उतारा

» दो सीटों पर होना है लोक सभा उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। आजमगढ़ से सपा ने धर्मेंद्र यादव को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि रामपुर सीट से आजम खां के करीबी आसिम रजा चुनाव लड़ेंगे। रामपुर से आसिम राजा और आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव ने नामांकन दाखिल कर दिया है।

सपा ने आजमगढ़ में एक बार फिर से परिवार पर ही भरोसा जताया है। सपा ने यहां उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। हालांकि यहां पहले डिंपल यादव के उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी लेकिन बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार के रूप में शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को टिकट दे दिया जिसके बाद अखिलेश यादव ने धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया है। धर्मेंद्र यादव ने आजमगढ़ पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। दूसरी ओर अब तक सपा से नाराज बताए जा रहे आजम खां ने ही रामपुर से उम्मीदवार के नाम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनके पुराने साथी आसिम रजा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इस जीत से वह सबकी तकलीफों का हिसाब लेना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि आसिम हार गए तो उनकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। आसिम रजा रामपुर का जाना माना नाम है। वह आजम खां के करीबी नेताओं में शामिल हैं और इस समय रामपुर शहर के सपा अध्यक्ष हैं। भाजपा पहले ही रामपुर लोक सभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर चुकी है। पार्टी ने सपा के ही पूर्व नेता घनश्याम लोधी को टिकट दिया है।

भाजपा से निरहुआ ने किया नामांकन

लखनऊ। आजमगढ़ में उपचुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन दिनेश लाल यादव निरहुआ ने नामांकन कर दिया है। उनके साथ प्रस्तावक के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविंद जायसवाल, पूर्व विधायक वंदना सिंह और अखिलेश मिश्रा मौजूद रहे जबकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पहले ही नामांकन स्थल पर पहुंच गए थे।

कांग्रेस ने किया किनारा

यूपी विधान सभा चुनाव में 403 सीट पर प्रत्याशी उतारने वाली कांग्रेस ने दो सीट पर होने जा रहे लोक सभा उपचुनाव में प्रत्याशी न उतारने का फैसला किया है। यूपी कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रभारी प्रशासन योगेश दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस रामपुर तथा आजमगढ़ के उप चुनाव में अपने प्रत्याशी नहीं उतारेगी। विधान सभा चुनाव नतीजे देखकर यह जरूरी है कि कांग्रेस स्वयं का पुर्निर्माण करे जिससे 2024 के लोक सभा चुनाव में स्वयं को मजबूत विकल्प के रूप में पेश करे।

हर पंचायत में 100 पौधे कम से कम लगे : सीएम योगी

» जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के लिए उठाए कड़े कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संतुलन एवं जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विगत 5 वर्षों में 100 करोड़ पौधे रोपे गए हैं। पौधरोपण की क्षमता 5 करोड़ से बढ़कर 35 करोड़ पर पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा ग्राम पंचायत हमारी लोक व्यवस्था की आधार इकाई है। शासन स्तर की बड़ी योजनाओं को ग्राम पंचायत स्तर पर ठीक से लागू किए जाने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मुख्यमंत्री विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला 'कांफ्रेन्स ऑफ पंचायत-2022' को अपने सरकारी आवास पर वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 58 हजार ग्राम पंचायतें हैं। प्रदेश की 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 100 वर्ष से अधिक आयु के वृक्षों को विरासत वृक्ष के रूप में चिह्नित कर संरक्षित किया है। महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। सरकार हरस्तर पर ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करना चाहती है। सभी पंचायतों को ऑप्टीकल फाइबर से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे ग्रामवासियों को जन्म, आय, जाति प्रमाणपत्र गांव में ही प्राप्त हो सकें। योगी ने कहा कि वन महोत्सव के अवसर पर हर ग्राम पंचायत में 100-100 वृक्ष लगाने का कार्य जरूर किया जाए। 100 करोड़ वृक्षों की सुरक्षा का कार्य संबंधित विभाग करें। किसी भी पौधे के नष्ट होने पर नया पौधा लगाकर उसके संरक्षण की व्यवस्था भी की जाए। वृक्षों का क्लस्टर विकसित कर फॉरेस्ट कवर बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा गंगा के दोनों तटों पर 5-5 किमी के क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रत्येक मंडल में जैविक उत्पादों की टेस्टिंग के लिए लैब की व्यवस्था की जा रही है।

राजधानी लखनऊ में इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भरवारा एसटीपी में वृक्षारोपण किया गया। इस पर्यावरण दिवस की यूनाइटेड नेशन द्वारा निर्धारित थीम ओनली वन अर्थ थी। आरसीयूईएस के एडिशनल डायरेक्टर ई एके गुप्ता ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

हर ग्राम पंचायत में दो-दो अमृत सरोवर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हर ग्राम पंचायत में 2-2 अमृत सरोवर बनाने का संकल्प दिया है। साथ ही प्रदेश के बड़े नगर निकायों में 75 और ग्रामीण स्तर पर 75 सरोवर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवरों के किनारों पर व्यापक पौधरोपण किया जाए। बागवानी को प्रोत्साहित किया जाए। अमृत सरोवरों के तट पर तिरंगा लगाया जाए। राष्ट्रीय पर्वों 15 अगस्त, 26 जनवरी, 2 अक्टूबर पर इन स्थलों पर किसी प्रेरणादायी व्यक्तित्व से ध्वजारोहण कराया जाए। बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था की जाए।

अल्पसंख्यक मंत्री ने हज यात्रियों को दिखाई हरी झंडी

» लखनऊ से सउदी अरब रवाना हुए 377 यात्री

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के कारण बीते दो वर्ष से हज यात्रा पर लगी रोक हटने के बाद अब हज पर जाने वालों की भीड़ उमड़ रही है। उत्तर प्रदेश के काफी हज यात्री तो नई दिल्ली से जाएंगे, लेकिन 377 हज यात्रियों का पहला जत्था आज लखनऊ से रवाना हो गया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक मंत्री दानिश आजाद अंसारी और राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने आज सुबह हज यात्रियों का पहला ग्रुप रवाना किया। लखनऊ से पहली फ्लाइट हज के लिए रवाना हो गई है। आज से 15 जून तक लगातार हज यात्री उड़ान भरेंगे। लखनऊ से कुल 4901 यात्री हज करने जाएंगे।

देश में सर्वाधिक यात्री उत्तर प्रदेश से हज यात्रा करने के लिए जाएंगे। इस बार उत्तर प्रदेश को हज यात्रा के लिए 12 हजार लोगों का कोटा मिला है। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने बताया कि उत्तर प्रदेश से हज पर जाने वाले आजमीनों (हज यात्री) के लिए पहली फ्लाइट छह जून को रवाना हो गई। हज हाउस से इनके लिए पूरी तैयारी कर ली गई थी। अमौसी एयरपोर्ट से मदीना (सऊदी अरब) के लिए विमान रवाना हुआ है। हज यात्रा पर जा रहे यात्रियों के साथ हज सेवक भी गए हैं और इस बार हज सेवकों का चयन लाटरी के माध्यम से किया गया है। इस बार कुल 50 हज सेवक ही हज यात्रियों के साथ यात्रा करेंगे। हज कमेटी की गाइडलाइंस के अनुसार, 65 वर्ष से अधिक उम्र वाले आवेदकों का आवेदन निरस्त कर दिया गया है। वृद्ध लोगों को यात्रा ना करने की हिदायत दी गई है। जिन लोगों को हज यात्रा की अनुमति मिली है, उनके दोनों कोविड-19 का टीकाकरण पूर्ण होने चाहिए।

स्वामी प्रसाद को विधान परिषद भेजेगी सपा!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव हारने के बाद अब स्वामी प्रसाद मौर्य को समाजवादी पार्टी विधान परिषद के रास्ते सदन में भेजने की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि पार्टी की बैठक में स्वामी के नाम पर मुहर लग गई है। विधान परिषद में 6 जुलाई को 13 सीटें खाली होने वाली हैं। इसमें सपा के 6, भाजपा और बसपा के 3-3 और कांग्रेस के 1 एमएलसी का कार्यकाल पूरा हो रहा है। विधायकों की संख्या के आधार पर 9 सीटें भाजपा और 4 सपा को मिल रही हैं। बसपा और कांग्रेस को एक भी सीट मिलती नहीं दिख रही है।

बलरामपुर पहुंचे स्वतंत्र देव, राप्ती नदी का किया निरीक्षण

जल शक्ति मंत्री ने सपा और बसपा पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बलरामपुर पहुंचे। यहां स्वतंत्रदेव ने सपा और बसपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कटानरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। जिले में बाढ़ एवं कटान निरोधक कार्यों का जायजा लेने स्वतंत्र देव सिंह सदर विकास खंड के सरदारगढ़ गांव पहुंचे। यहां 178.13 लाख रुपये से हो रहे कटानरोधी कार्यों का निरीक्षण किया। ग्रामीणों से कहा कि हर 15 दिन पर राप्ती मइया की पूजा-अर्चना कर दीपक जलाएं। इससे विपदा नहीं आएगी। बाकी सरकार व विभाग अपना कार्य कर रहे हैं। मंत्री के आगमन को लेकर सुबह से ही सरदारगढ़ में मेले जैसा माहौल रहा।

बाढ़ खंड के अभियंताओं व प्रशासनिक अधिकारियों में बेचैनी रही। अधिशासी अभियंता जेके लाल ने जल शक्ति मंत्री को कटान निरोधक कार्य का डायग्राम चार्ट दिखाया। कहा कि कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नदी की धारा को मोड़ दिया गया है, जिससे 17 गांवों ऊपर से कटान का संकट टल जाएगा। बताया कि कटान की जद में आ रहे परिषदीय विद्यालय को भी बचा लिया गया है। इस पर जल शक्ति मंत्री ने कहा लग रहा है 15 जून तक काम पूरा हो जाएगा। वहां मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि राप्ती नदी कल्याणपुर गांव में तेजी से कटान कर रही है। गत वर्ष आई बाढ़ में यह गांव टापू बन गया था। गांव का परिषदीय विद्यालय भी नदी की धारा में समा गया था। इस पर जल शक्ति मंत्री ने ग्रामीणों को बचाव कार्य शीघ्र होने का भरोसा दिलाया।

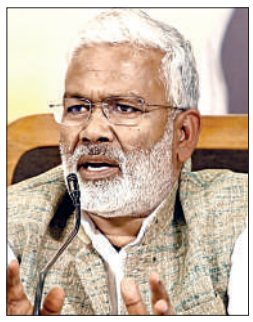

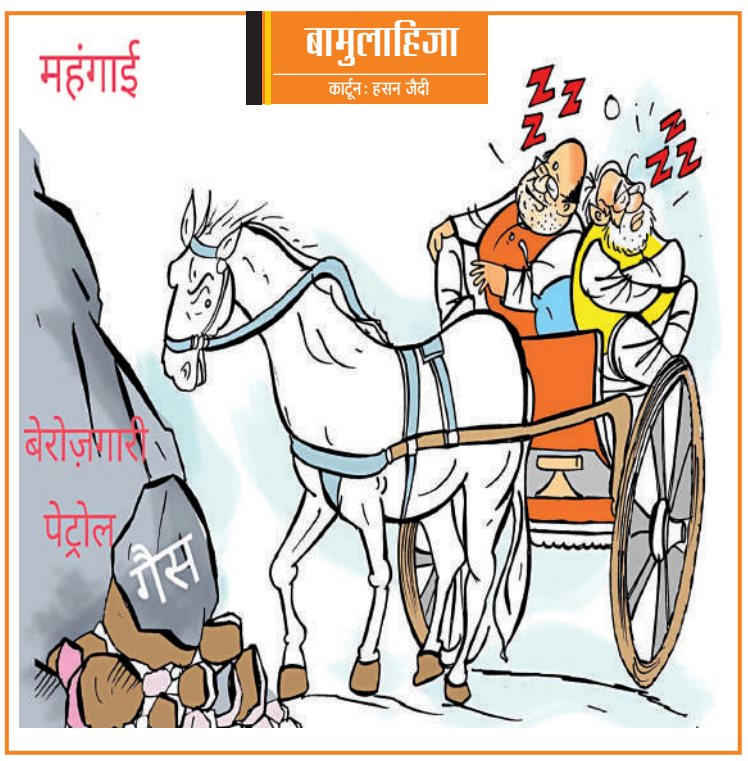

विश्व हिन्दू परिषद विधि प्रकोष्ठ अवध प्रांत का होगा विस्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल विशाल खंड के सभागार में विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ अवध प्रांत एवं विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय की टोली की समेकित कार्यशाला/प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सह संयोजक विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ अभिषेक आत्रेय व प्रांत संगठन मंत्री अवध प्रांत राजेश उपस्थित रहे तथा अपने उदबोधन से दोनों ने मौजूद कार्यकर्ताओं को विधि प्रकोष्ठ के गठन व उसके द्वारा किए जाने वाले कार्यों के विषय में बताया। यह कार्यशाला बृजेंद्र सिंह की अगुवाई में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अपने विचारों को कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा, जिसमें गौ रक्षा, लव जिहाद, वक्फ बोर्ड, जमीन पर कब्जा तथा धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर कानून की चर्चा की गई। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण के दौरान विश्व हिंदू परिषद विधि प्रकोष्ठ के विस्तार को लेकर भी दिशा निर्देश दिए गए तथा विधि प्रकोष्ठ उच्च न्यायालय लखनऊ के संरक्षक श्रीगिरीश चंद्र सिन्हा, संरक्षिका बहन रंजना अग्निहोत्री ने अपने-अपने विचार कार्यकर्ताओं के मध्य रखें। इस कार्यशाला में अवध प्रांत के 13 जिलों के कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें लखनऊ जिले के चारों क्षेत्रों पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी व दक्षिणी से लखनऊ के अधिवक्ताओं ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अब दिल्ली की राजनीतिक पिच पर खेलते नजर आएंगे लक्ष्मीकांत

» पहली बार दिल्ली की राजनीति में पहुंचे लक्ष्मीकांत बाजपेयी

» मेरठ से हवाई उड़ान और ट्रैफिक जाम जैसे मुद्दों को मिलेगी नई आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी की सियासी डगर बदल गई है। राज्य सभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अब वो लखनऊ के बजाय दिल्ली की राजनीतिक पिच पर खेलते नजर आएंगे। राज्य सभा में पार्टी एवं मेरठ के मुददों की बुलंद आवाज बनेंगे। पार्टी आगामी चुनावों में भी उन्हें अहम जिम्मा देगी। लक्ष्मीकांत बाजपेयी की छवि जमीनी नेता की रही है। इन्हीं वजहों से मेरठ शहर सीट पर विपरीत जातीय समीकरण के बावजूद कई बार जीतकर विधान सभा पहुंचे। 2012 विधान सभा चुनाव में अतिम बार जीतकर लखनऊ पहुंचे, जिसमें उनका ज्यादातर कार्यकाल प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका निभाते हुए बीता लेकिन 2017 के विधान सभा चुनाव में शिकस्त से उनके सितारे गर्दिश में पहुंच गए।

सियासत के पुराने खिलाड़ी रहे बाजपेयी वक्त का मिजाज भांपते हुए चलते रहे। अपने मलाल को कभी छलकने नहीं दिया और पार्टी की लाइन लेंथ पर डटे रहे। बीच-बीच में उन्हें राज्यपाल बनाने की चर्चा उठती रही। हालांकि वे राजनीतिक गलियारों में उठती हवाओं से दूर अपने अंदाज में बढ़ते गए। तमाम मंचों पर पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे। 2022 के चुनाव में पार्टी की प्रचंड जीत के बाद उन्हें मंत्री बनाने के कयास तेज थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ लेकिन पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 11 राज्य सभा सीटों के लिए उम्मीदवारों में लक्ष्मीकांत का नाम पहले नंबर पर रखा। डॉ. लक्ष्मीकांत कल लखनऊ में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले। दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक विभिन्न बिंदुओं पर बातचीत हुई। राजनाथ ने उन्हें राज्य सभा सदस्य निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं भी दीं।

मेरठ के मुददों को मिलेगी धार

मेरठ-हापुड़ सांसद राजेंद्र अग्रवाल 2009 से लगातार लोक सभा सदस्य हैं। वो संसद में मेरठ में हवाई अड्डा, ट्रैफिक जाम, कैंट बोर्ड का मसला, काली नदी, प्रदूषण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर का मुद्दा अक्सर उठाते रहे हैं। वहीं राज्य सभा में विजयपाल सिंह तोमर कई बार किसानों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा चुके हैं। कांता कर्दम भी राज्य सभा सदस्य हैं। अब डॉ. लक्ष्मीकांत भी उच्च सदन में पहुंचेंगे, जो मेरठ समेत यूपी के तमाम मुद्दों की धार तेज करेंगे।

लक्ष्मीकांत बाजपेयी को मिली तवज्जो

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में हुए 2014 के लोक सभा चुनावों में प्रदेश में भाजपा को सर्वाधिक 75 सीटें मिली थीं। वह चार बार मेरठ सदर सीट से विधायक और प्रदेश सरकार में मंत्री भी रहे हैं। महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली डा. दर्शना सिंह भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

लक्ष्मीकांत समेत 11 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

सपा समर्थित निर्दलीय कपिल सिब्बल तथा रालोद के जयंत चौधरी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत सभी 11 उम्मीदवार राज्य सभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। कल देर शाम नाम वापसी की समय सीमा खत्म होने के बाद निर्वाचन अधिकारी बृजभूषण दुबे ने उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। कपिल सिब्बल, जयंत चौधरी, सपा के जावेद अली और भाजपा के लक्ष्मीकांत बाजपेयी के अलावा भाजपा के ही पूर्व विधायक डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, पूर्व विधायक संगीता यादव, पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम के अध्यक्ष बाबूराम निषाद, राज्य सभा सदस्य सुरेंद्र कुमार नागर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के.लक्ष्मण तथा पूर्व सांसद मिथिलेश कुमार को राज्य सभा के लिए निर्वाचित घोषित किया गया है। निर्वाचन अधिकारी ने राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन हाल में भाजपा के आठ निर्वाचित सदस्यों और सपा के जावेद अली को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा जबकि कपिल सिब्बल और जयंत चौधरी का प्रमाणपत्र उनके अधिकृत प्रतिनिधि को सौंपा गया।

लोक सभा उपचुनाव : रामपुर में कांटे से कांटा निकालने की तैयारी में भाजपा

आजम के करीबी घनश्याम लोधी को उतारा मैदान में

» सपा के जातीय समीकरण में सेंध लगाने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सपा नेता आजम खां के गढ़ रामपुर में कांटे से कांटा निकालने की रणनीति पर चलती दिख रही है। यहां होने वाले लोक सभा उप चुनाव के लिए भाजपा ने कभी आजम खां के करीबी रहे घनश्याम लोधी को चुनाव मैदान में उतार दिया है। घनश्याम इसी साल जनवरी में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

सपा के संस्थापक सदस्यों में से एक आजम खां के गढ़ रामपुर में 23 जून को होने वाले लोक सभा उप चुनाव में भाजपा ने सपा के विधान परिषद के सदस्य रहे घनश्याम लोधी को प्रत्याशी बनाया है। यह सीट आजम खां के लोक सभा सदस्य पद से इस्तीफा देने के कारण खाली हुई है। भाजपा ने इससे पहले भी रामपुर लोक सभा क्षेत्र से सपा से सांसद रहीं फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा को उतारा था। आजम खां ने जया प्रदा को शिकस्त दी थी। इससे पहले 2014 में भाजपा के डा. नेपाल सिंह ने सपा के नसीर अहमद खां को हराया था। भाजपा ने इस बार फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा के स्थान पर सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले घनश्याम लोधी को प्रत्याशी बनाया है। समाजवादी पार्टी से रामपुर-बरेली क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य रहे घनश्याम सिंह लोधी ने 14 जनवरी 2022 को इस्तीफा दिया था। इस दौरान उन्होंने सपा पर पिछड़ा व दलितों की उपेक्षा का आरोप लगाया था। माना जा रहा था कि भाजपा घनश्याम सिंह लोधी को विधान सभा चुनाव 2022 में प्रत्याशी बनाएगी लेकिन अब उनको लोक सभा के उप चुनाव में उतार दिया है। बसपा ने रामपुर से अपना प्रत्याशी उतारने से मना कर दिया है जबकि सभी को बेसब्री से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी का इंतजार है। लोधी पूर्व सांसद आजम खां के करीबी रहे हैं। लंबे समय से रामपुर में एक्टिव रहे हैं। माना जा रहा है कि सपा का जो भी उम्मीदवार होगा वह आजम खां से ही जुड़ा होगा। ऐसे में घनश्याम उसके लिए बड़ी चुनौती हो सकते हैं। रामपुर और आसपास लोधी वोटर्स की संख्या काफी अधिक है। घनश्याम लोधी समाज को भाजपा से जोड़ने का काम कर सकते हैं। भाजपा को उम्मीद है कि घनश्याम की वजह से सपा से जुड़े लोधी वोटर भी भाजपा को वोट करेंगे।

कौन हैं घनश्याम लोधी

घनश्याम लोधी रामपुर के लिए कोई नया नाम नहीं है। घनश्याम लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। उनकी राजनीति भाजपा से ही शुरू हुई थी। तब वह उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के काफी करीबी थे। वह भाजपा के जिलाध्यक्ष भी रहे। 1999 में वह भाजपा छोड़कर बसपा में शामिल हो गए और लोक सभा चुनाव भी लड़ा लेकिन जीत नहीं पाए। तब घनश्याम तीसरे नंबर पर रहे। जब कल्याण सिंह ने भाजपा छोड़कर राष्ट्रीय क्रांति पार्टी बनाई तो घनश्याम लोधी भी इसमें शामिल हो गए। 2004 में घनश्याम लोधी को इसका इनाम मिला। राष्ट्रीय क्रांति पार्टी ने सपा के साथ गठबंधन करके घनश्याम को बरेली-रामपुर एमएलसी सीट से अपना प्रत्याशी बनाया। वह जीत भी गए। 2009 लोक सभा चुनाव के दौरान घनश्याम लोधी ने फिर से बसपा का दामन थाम लिया। बसपा ने उन्हें रामपुर से अपना उम्मीदवार भी बनाया लेकिन वह जीत नहीं पाए। तब सपा की प्रत्याशी और अभिनेत्री जयाप्रदा ने जीत हासिल की थी। दूसरे नंबर पर कांग्रेस की बेगम नूर बानो और तीसरे पर घनश्याम लोधी थे। चौथे नंबर पर भाजपा की तरफ से मुख्तार अब्बास नकवी रहे। चुनाव में मिली हार के बाद 2011 में घनश्याम वापस सपा में शामिल हो गए। 2022 विधान सभा चुनाव से ठीक पहले लोधी ने समाजवादी पार्टी का दामन छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कश्मीर घाटी में सुरक्षा का सवाल

कश्मीर घाटी में आतंकी एक बार फिर टारगेट किलिंग के जरिए दहशत फैलाने में जुट गए हैं। वे कश्मीरी पंडितों और गैर कश्मीरियों को निशाना बना रहे हैं। इसके कारण घाटी में रह रहे इन लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया है। सरकारी कर्मचारी तक दूसरे स्थान पर तबादले की मांग कर रहे हैं। सवाल यह है कि टारगेट किलिंग के पीछे आतंकियों की मंशा क्या हैं? क्या वे कश्मीर की शांति और समृद्धि को फिर से बेपटरी करना चाहते हैं? क्या कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास कार्यक्रम को रोकने की मंशा से नागरिकों की हत्याएं की जा रही हैं? इन आतंकियों की मदद कौन कर रहा है? क्या स्थानीय स्लीपर सेल के बिना आतंकी टारगेट किलिंग में सफल हो सकते हैं? क्या स्थानीय हैंडलरों को समाप्त किए बिना घाटी में शांति कायम की जा सकती है? क्या आतंकी सीमा पार बैठे अपने आकाओं के इशारे पर ऐसा कर रहे हैं?

धारा 370 की समाप्ति, कश्मीरी पंडितों को घाटी में बसाने और गैरकश्मीरियों को नौकरी देने की प्रक्रिया से पाकिस्तान और उसके पाले आतंकी संगठन बौखला गए हैं। वे किसी भी स्तर पर कश्मीर में शांति कायम नहीं होने देना चाहते हैं। भारतीय सेना के ऑपरेशन ऑल आउट के कारण आतंकी सुरक्षा बलों की जगह आम आदमी को निशाना बना रहे हैं ताकि लोगों में दहशत पैदा की जा सके। सेना ने आतंकियों की कमर तोड़ दी है और लगातार उनका सफाया कर रही है। इससे भी वे बौखला गए हैं। लगातार हो रहे टारगेट किलिंग के कारण कश्मीर पंडितों के पुनर्वास कार्यक्रम को धक्का लगा है। कश्मीरी पंडित घाटी से पलायन कर जम्मू पहुंच रहे हैं। शिक्षिका रजनी बाला की हत्या के बाद पूरा देश आतंक के खिलाफ खड़ा हो गया है। ऐसी स्थिति में घाटी में काम कर रहे अल्पसंख्यकों के कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने की जरूरत है। स्थानीय अलगाववादी भी गैर कश्मीरियों को घाटी में बसने व नौकरी करने नहीं देना चाहते हैं। वे आतंकियों की मदद कर रहे हैं। ऐसे में कश्मीरी पंडितों समेत अल्पसंख्यकों में गंभीर असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। इसे जल्द दूर करने के लिये सरकार को कठोर कदम उठाने होंगे। हमलों में शामिल आतंकियों की पहचान करके उन्हें नेस्तनाबूद किया जाना चाहिए। कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों व अनुसूचित जाति के कोटे से नियुक्त लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की जरूरत है। यही नहीं टारगेट किलिंग में स्थानीय हैंडलरों का भी हाथ हैं। बिना इनके सहयोग के साफ्ट टारगेट को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। ऐसे हैंडलर घाटी के लगभग सभी जिलों में सक्रिय हैं। इनका पता लगाकर इन्हें जड़ से खत्म किया जाना बेहद जरूरी है।

“ लगातार हो रहे टारगेट किलिंग के कारण कश्मीर पंडितों के पुनर्वास कार्यक्रम को धक्का लगा है। कश्मीरी पंडित घाटी से पलायन कर जम्मू पहुंच रहे हैं। शिक्षिका रजनी बाला की हत्या के बाद पूरा देश आतंक के खिलाफ खड़ा हो गया है। ऐसी स्थिति में घाटी में काम कर रहे अल्पसंख्यकों के कार्यस्थलों को सुरक्षित बनाने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सहभागिता बदलेगी ग्राम पंचायतों का स्वरूप

मोहिन्द्र सिंह

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के लिए ग्राम पंचायतों का सक्रिय, कार्यकुशल और प्रभावशाली होना अत्यावश्यक है। पंचायतें प्राचीन काल से ही अस्तित्व में रही हैं। विगत में ये संस्थाएं किसी-न-किसी रूप में विद्यमान थीं ताकि स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। वैदिक काल में पंचायतें प्रशासनिक और न्यायिक कार्य करती थीं । मौर्य काल में भी विकेंद्रीकरण की नीति को अपनाया गया था परन्तु राजपूतों के शासन में पंचायतों का महत्व कम था। रॉयल आयोग के प्रतिवेदन जिसका प्रकाशन 1909 में हुआ, उसमें प्रत्येक ग्राम में एक पंचायत की स्थापना पर बल दिया गया था। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में प्रावधान किया गया कि राज्य ग्राम पंचायतों का गठन करेगा।

वर्ष 1957 में गठित बलवंत राय मेहता समिति ने त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रणाली का सुझाव दिया। लिहाजा 2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पहली बार पंचायती राज की स्थापना की गई। धीरे-धीरे शेष राज्यों ने भी पंचायती राज को अपनाया। 1977 में पंचायती राज पर गठित अशोक मेहता समिति ने 1978 में अपने प्रतिवेदन में द्विस्तरीय पंचायत राज की सिफारिश की। 1983 में हनुमंथा राव समिति, 1985 में जेवीके राव समिति, 1986 में एल एम सिंघवी समिति, 1988 में पीके थुंगन समिति इत्यादि की स्थापना की गई, जिन्होंने पंचायती राज में सुधार हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। अंतत: 73वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम पारित हुआ जिसे 24 अप्रैल 1993 को प्रकाशित किया गया। अब भारत में पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था अपनाई गई है जिसे अधिकतर राज्यों में लागू किया गया। इसके साथ ही ग्राम सभा की व्यवस्था, पांच वर्ष का कार्यकाल, आरक्षण का प्रावधान व 11वीं अनुसूची में 29 विषयों को शामिल किया गया है। उनमें मुख्यत: कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, सामाजिक वानिकी, लघु उद्योग, खादी, ग्राम व कुटीर उद्योग, ग्रामीण विकास, पेयजल योजना, सड़क निर्माण, गरीबी उन्मूलन, प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण इत्यादि कार्य हैं। पंचायतों के लिए वित्त तथा चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं का भी प्रावधान किया गया है। दरअसल, व्यवहार में अनुभूत विकृतियां प्रशासनिक कुशलता में कमी, भ्रष्टाचार, गुटबाजी, राज्य सरकारों की उदासीनता, नागरिक सहभागिता का अभाव, ग्रामीण विकास का कमजोर वाहक, उत्तरदायित्व की कमी, निष्क्रियता, सहकारिता, संवैधानिक आदर्शों के क्रियान्वयन का

न होना आदि ग्राम पंचायतों में मौजूद रहीं। प्रत्येक ग्राम सभा में वयस्क मतदाताओं की सक्रियता हेतु नागरिक सभाओं, गैर सरकारी संगठनों तथा ग्रामीण स्तरीय सभी कर्मचारियों के सहयोग से ग्रामीणों को अभिप्रेरित करने, जानकारियां देने व जागरूक बनाने के लिए निरंतर अभियान चलाने की आवश्यकता है। इस अभियान में छात्रों की भागीदारी के साथ ही महिलाओं की जागरूकता हेतु साक्षर महिला समूहों की सहायता ली जानी चाहिए। प्रत्येक पंचायत में सरपंच तथा अन्य चुने गए प्रतिनिधियों को जातिवाद से मुक्ति लेनी होगी ताकि प्रगतिशील सोच से ही समस्त गांव का प्रभावशाली विकास किया जा सके। यह भी कि ऐसी पंचायतें जिनकी मुखिया महिलाएं हैं, ग्रामीण सहयोग से वे स्वतंत्रता के साथ पंचायतों की कार्यप्रणाली को कुशल प्रभावशाली बना सकें। आरक्षण व्यवस्था लागू होने के बाद कमजोर व पिछड़े वर्ग से चुन कर आए हुए प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायत की गतिविधियों में शामिल करके उचित स्थान देना होगा ताकि सामाजिक समानता लाई जा सके । चुनाव के तुरंत बाद सरपंचों तथा चुने हुए सदस्यों के लिए गांव के छोटे-छोटे समूह बनाकर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। प्रशिक्षण में सभी महत्वपूर्ण विषयों जैसे योजना निर्माण, विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी, कार्यप्रणाली, वित्तीय संसाधनों का प्रबंधन व क्रियान्वयन, निरीक्षण, पर्यवेक्षण आदि तथा संबंधित अधिनियम में दी गई शक्तियों व कार्यों की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शिकायत मिलती रही है कि ग्राम पंचायतों को पर्याप्त धन, शक्तियां व कर्मचारियों का आवंटन नहीं किया गया है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत भ्रष्टाचार मुक्त हो, सरकारी तथा गैर सरकारी कर्मचारियों के मध्य अच्छे संबंध निश्चित हों, नए विचारों तथा तकनीकों को अपनाने में तत्पर हों और आवश्यक आदर्श मूल्यों को स्थापित करें। पारदर्शिता सुनिश्चित हो, ई-शासन, सुशासन, उत्तरदायित्व व सद्चरित्रता सुनिश्चित हो। नेतृत्व के गुण अपनाए जाने चाहिए और संबंधित ग्राम पंचायत के सदस्यों में आपसी सहयोग की भावना पैदा हो। यदि ग्राम पंचायतें ऐसा स्वरूप बना लेती हैं तो हम लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के सिद्धांतों को स्थापित करने में सक्षम होंगे।

हौसलों के बूते कैंसर के खिलाफ जंग

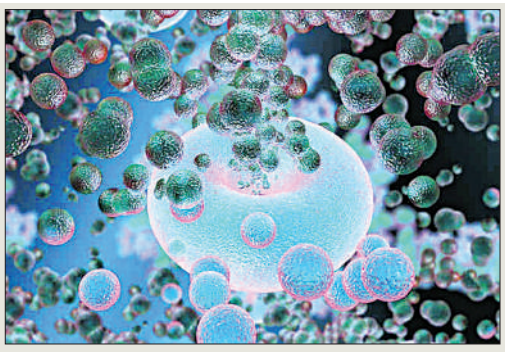

निरंकार सिंह

हर साल जून में 'नेशनल कैंसर सरवाइवर डे' अर्थात राष्ट्रीय कैंसर विजेता दिवस मनाया जाता है। यह उन लोगों का सम्मेलन है, जो कैंसर के इलाज के बाद जीवित बच गये हैं। इससे उन लोगों को प्रेरणा मिलती है जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं। भारत में भी जिन रोगियों ने कैंसर को पराजित करके अपना जीवन बचाया है, उनमें से कुछ लोगों ने कोलकाता में एक संस्था बनायी है। यह संस्था कैंसर रोगियों के बीच जाकर जीवन के प्रति उत्साह को बढ़ाती है ताकि वे हिम्मत के साथ कैंसर का मुकाबला कर अपना जीवन बचा सकें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हृदय रोग के बाद अब कैंसर दुनिया भर में हो रही मौतों का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। भारत में नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के ताजा आंकड़े बताते हैं कि हर साल यहां कैंसर के 14.5 लाख नये मामले आ रहे हैं, इस समय 30 लाख से ज्यादा लोग कैंसर से ग्रस्त हैं और सालाना 6,80,000 से ज्यादा मौतें कैंसर से हो रही हैं। शुरुआती चरण में पता लगने पर जान बचायी जा सकती है। लेकिन सिर्फ 12.5 फीसदी भारतीय ऐसे हैं जो शुरुआत में चिकित्सा का सहारा ले पाते हैं इसलिए जन सामान्य में जागरूकता फैलाकर भी कैंसर से होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है। यह संस्था यही काम कर रही है ताकि कैंसर रोगियों की जान बचायी जा सके। इसके लिए उन्होंने बाकायदा कौंसिल फार कैंसर केयर (सीसीसी) नामक संस्था बनायी है। इन लोगों का कहना है कि कैंसर पहले वृद्धावस्था का रोग माना जाता था और कभी-कभार कहीं सुनने में आता था कि फलां आदमी को कैंसर हो गया है। आज यह महामारी की तरह फैलता जा रहा है। छोटे बच्चे से लेकर युवा, अधेड़, वृद्ध सब इसके शिकार हो रहे हैं। कैंसर के कष्टों और कैंसर से हो रही मौतों ने ऐसा भयपूर्ण वातावरण बना दिया है कि कैंसर की घोषणा होते ही कैंसर का रोगी यह मान लेता है कि अब तो मृत्यु निश्चित है लेकिन समय से ली गयी प्रचलित चिकित्सा की सेवाओं तथा वैकल्पिक चिकित्सा के प्रयासों ने इस धारणा को बदलने की पृष्ठभूमि रख दी है। अब कैंसर के हारने का और इंसान के जीतने का सिलसिला शुरू हो गया है। यह धारणा बलवती हुई है कि प्राकृतिक चिकित्सा से संयमित जीवन व योग आदि से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास किया जा सकता है। यह संस्था कैंसर की चिकित्सा में कार्यरत प्रचलित चिकित्सा व्यवस्था के साथ वैकल्पिक चिकित्सा सेवाओं की संभावनाओं के विषय में कैंसर रोगियों को अवगत कराने का अभियान चला रही है जिसके द्वारा कैंसर को परास्त किया जा सकता है। कौंसिल फॉर कैंसर केयर (सीसीसी) ने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कुछ प्रमुख बिंदु निर्धारित किये हैं। कैंसर के कारणों और बचाव के लिए जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ यह कमजोर वर्गों की सहायता के लिए भी प्रयासरत है। संस्था तमाम ऐसे उपाय कर रही है जिसमें कैंसर रोगी और उसके परिजनों में जीवन के प्रति आशा बनी रहे और अवसाद में जाने से उन्हें बचाया जा सके। सीसीसी कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के उस विश्वास को कि कैंसर का मतलब मृत्यु है, उनके दिल से निकालने के लिए कैंसर विजेताओं को उदाहरण रूप में उनके सामने ला रही है जिससे उनके मन में भी यह विश्वास जगे कि हम भी इनकी तरह कैंसर पर विजय पा सकते हैं। कैंसर के जिन कारणों को कैंसर का उत्तरदायी माना जा रहा है, उनसे जन-जन को अवगत कराकर सावधान और सजग रखने की दिशा में यह संस्था अभियान चला रही है। यह संस्था अपने अनुभवी लोगों की सहायता से कैंसर होने के कारणों के प्रति लोगों को जानकारी प्रदान करती है और यह भी बताती है कि हम कैसे कैंसर से बच सकते हैं। कौंसिल फार कैंसर केयर का कहना है कि कैंसर के मोर्चे पर भारतीय वैज्ञानिक निरंतर शोध में रत हैं। डीएस रिसर्च सेंटर कोलकाता के वैज्ञानिकों ने खाद्य पदार्थों की पोषक ऊर्जा से उस औषधि को तैयार करने का दावा किया है। कहा जा रहा है कि कैंसर कोशिकाओं पर लगाम लगाकर उसका उन्मूलन संभव है। कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) के निदेशक डा. टीके चटर्जी के अनुसार- 'पोषक ऊर्जा से तैयार की गई औषधि सर्वपिष्टी के पशुओं पर किये गये परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक पाये गये हैं।' सामान्यत: यह धारणा रही है कि पशुओं के शरीर पर किये गये सफल प्रयोग मानव शरीर के लिये भी नई उम्मीद जगाते हैं। हमारे देश में लोग अंधविश्वासों और अफवाहों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। किसी भी अन्य क्षेत्र की तरह कैंसर जैसी बीमारी और इसके उपचार के प्रति भी तरह-तरह की भ्रांतियां फैली हुई हैं। सीसीसी कैंसर के विषय में सही जानकारी प्रदान कर कैंसर को लेकर आम जन में फैली तरह-तरह की भ्रान्तियों को दूर करने का अभियान चलाकर कैंसर के भय को कम करने का प्रयास कर रही है। विडंबना यह है कि दूसरी तरफ कैंसर रोगियों की एक बहुत बड़ी संख्या चिकित्सा की महंगी व्यवस्था के चलते चिकित्सकीय सेवाओं से वंचित रह जाती है। सीसीसी का प्रयास उन संभावनाओं की तलाश करना है जिससे हर कैंसर रोगी को चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकें। यह संस्था सरकारी व गैर सरकारी चिकित्सा संस्थाओं, समाज सेवी संस्थाओं, बुद्धिजीवी वर्ग- सबको साथ लेकर कैंसर के विरुद्ध संघर्ष हेतु अभियान चलाने का प्रयास कर रही है। संस्था ऐसे अवसरों और संसाधनों का पता लगाकर गरीब रोगियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करती है।

गर्मी के मौसम में जरूर पिएं
खस का शरबत

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने के लिए हम तरह तरह के उपाय करते हैं। आयुर्वेद में भी कई ऐसी चीजों का जिक्र किया गया है जो गर्मी के मौसम में शरीर को ना केवल ठंडा करता है, साथ ही कई तरह की सिजनल प्रॉब्लम से भी बचाने में मदद करता है। इन्हीं में से एक है खस का शरबत। जी हां, द हेल्थसाइट में छपी एक खबर के मुताबिक हरे रंग के इस शरबत को पीते ही शरीर ताजगी से भर जाता है और हम बेहतर महसूस करते हैं। आप इसे घर पर भी बड़ी ही आसानी के साथ तैयार कर सकते हैं। खस शरबत, जिसे वेटिवर जूस भी कहा जाता है, खस के पौधे की जड़ के अर्क से तैयार किया जाता है। इसे खसखस के नाम से भी जाना जाता है, जो एक सुगंधित घनी घास की प्रजाति है। खस का हरा रंग दरअसल खस एसेंस से आता है, जो खस घास की जड़ के अर्क से बना गाढ़ा सिरप होता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, सोडियम, फॉस्फोरस, प्रोटीन, मैंगनीज, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट और बी 6 विटामिन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मी दूर भगाने के लिए खस का शरबत कितना फायदेमंद है।

ब्लड सर्कुलेशन रखे ठीक

खस में मौजूद आयरन शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे ब्लड प्रेशर का खतरा कम रहता है। इसमें मौजूद मैगनीज कंटेन्ट ब्लड प्रेशर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

शरबत के अन्य फायदे

- शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है।
- पाचन को बेहतर बनाने में असरदार है।
- इसमें मौजूद मॉर्फिन और एनाल्जेसिक कंटेंट दर्द कम करने में मदद करते हैं।
- किडनी स्टोन की समस्या को ठीक कर सकता है।
- नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है।
- नींद की समस्या को ठीक करता है।

आंखों की लालिमा करे दूर

खस शरबत में जिंक भरपूर मात्रा में होता है, जो आखें की कई समस्याओं को ठीक रखने में मदद करता है। इसमें कूलिंग इफेक्ट भी होता है, जो आंखों की लालिमा को दूर करने में सक्षम है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

खस में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है। यह टीशू और ऑर्गन को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से भी बचाने में मदद करता है। इसमें मौजूद जिंक मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर के स्ट्रेंथ को बढ़ाता है।

शरीर को करे हाइड्रेट

अगर शरीर में डीहाइडेशन की समस्या हो रही है, तो तुरंत एक गलास खस शरबत पीने से काफी फायदा मिलता है। इसके सेवन से शरीर तेजी से हाइड्रेट होता है।

हंसना मना है

पिताजी- कहां हो बेटे? टीटू- हॉस्टल में पढ़ रहा हूं, एग्जाम बहुत नजदीक हैं, इसलिये बहुत पढ़ना पड़ता है!!! आप कहां हो? पिताजी- ठेके पे..तेरे पीछे लाइन में लास्ट में खड़ा हूं, एक हाफ मेरा भी ले लेना..

डॉक्टर- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो? मरीज- जी, मंदिर चला जाता हूं... डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां? मरीज- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं...उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

टीटू ने गर्लफ्रेंड से पूछा- तुम चाइनीज जैसी क्यों दिखती हो? गर्लफ्रेंड- मेरे पापा चीन के थे। टीटू- तुमने कभी मिलवाया नहीं? गर्लफ्रेंड- वह अब इस दुनिया में नहीं हैं टीटू- हां, चाइनीज माल ज्यादा दिन तक टिकता भी कहां है...।

लड़कों को उस समय सबसे ज्यादा गुस्सा आता है. जब ऑटो में 2 लड़कियों के बीच में लड़का बैठा हो तब तीसरी लड़की के आने से ऑटो वाला बोले भाई तू आगे आजा।

गटरू- एक किलो चीनी देना दुकानदार- ठीक है देता हूं अभी दुकानदार- और क्या चाहिए गटरू- कुछ नहीं बस इतना ही दे दो दुकानदार- हमारे पास सब कुछ मिलता है गटरू- सरकारी नौकरी लगवा दो फिर...।

कहानी — खटमल और बेचारी जूं

एक राजा के शयनकक्ष में मंदरीसर्पिणी नाम की जूं ने डेरा डाल रखा था। रोज रात को जब राजा जाता तो वह चुपके से बाहर निकलती और राजा का खून चूसकर फिर अपने स्थान पर जा छिपती। संयोग से एक दिन अग्निमुख नाम का एक खटमल भी राजा के शयनकक्ष में आ पहुंचा। जूं ने जब उसे देखा तो वहां से चले जाने को कहा। उसने अपने अधिकार-क्षेत्र में किसी अन्य का दखल सहन नहीं था। लेकिन खटमल भी कम चतुर न था, बोला, ''देखो, मेहमान से इसी तरह बर्ताव नहीं किया जाता, मैं आज रात तुम्हारा मेहमान हूं।'' जूं अततः खटमल की चिकनी-चुपड़ी बातों में आ गई और उसे शरण देते हुए बोली, ''ठीक है, तुम यहां रातभर रुक सकते हो, लेकिन राजा को काटोगे तो नहीं उसका खून चूसने के लिए।'' खटमल बोला, ''लेकिन मैं तुम्हारा मेहमान है, मुझे कुछ तो दोगी खाने के लिए। और राजा के खून से बढ़िया भोजन और क्या हो सकता है।''''ठीक है।'' जूं बोली, ''तुम चुपचाप राजा का खून चूस लेना, उसे पीड़ा का आभास नहीं होना चाहिए।'' ''जैसा तुम कहोगी, बिलकुल वैसा ही होगा।'' कहकर खटमल शयनकक्ष में राजा के आने की प्रतीक्षा करने लगा।रात ढलने पर राजा वहां आया और बिस्तर पर पड़कर सो गया। उसे देख खटमल सबकुछ भूलकर राजा को काटने लगा, खून चूसने के लिए। ऐसा स्वादिष्ट खून उसने पहली बार चखा था, इसलिए वह राजा को जोर-जोर से काटकर उसका खून चूसने लगा। इससे राजा के शरीर में तेज खुजली होने लगी और उसकी नींद उचट गई। उसने क्रोध में भरकर अपने सेवकों से खटमल को ढूंढकर मारने को कहा। यह सुनकर चतुर खटमल तो पलंग के पाए के नीचे छिप गया लेकिन चादर के कोने पर बैठी जूं राजा के सेवकों की नजर में आ गई। उन्होंने उसे पकड़ा और मार डाला।

सीख- हमें अजनबियों की चिकनी-चुप?ी बातों में आकर उनपर भरोसा नहीं करना चाहिए अपितु उनसे सावधान ही रहना चाहिए।

6 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बहुत ज्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें।

वृषभ आज आपका दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें सफल जरुर होंगे। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का अवसर भी आपको मिलेगा।

मिथुन आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। तल्ख बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा।

कर्क आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज किसी बड़ी बिजनेस डील को बहुत सोच समझकर करने की जरूरत है। किसी अनुभवी व्यक्ति या फिर विश्वास पात्र की राय लेने के बाद ही कदम आगे बढ़ाएं।

सिंह दिन फायदेमंद साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। लंबे समय से अटके मुआवजे और कर्ज आदि आखिरकर आपको मिल जाएंगे।

कन्या आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक से लाभ दिलाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तकरीबन पक्का है। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी खबर लाएगी। रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है।

वृश्चिक आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप नई उर्जा से भरे रहेंगे। काम की दृष्टि से आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी, लेकिन सारे काम शाम तक आसानी से निपट जाएंगे।

धनु भविष्य को लेकर बेकार में चिंता करते रहना आपको बेचैन कर सकता है। आपको समझना चाहिए कि असली खुशी वर्तमान का मजा लेने से आती है, न कि भविष्य पर निर्भर रहने से।

मकर आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। आज का दिन सटीक योजनाएं बनाने का है। आज ऑफिस में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

कुम्भ आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अनुमान नुकसानदेह साबित हो सकता है इसलिए हर तरह का निवेश करते वक्त पूरी सावधानी बरतें।

मीन दिन शुभ रहेगा। मित्रों और स्नेही स्वजनों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। आज पिता और बड़े भाई के सहयोग से आप कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कुंडली भाग्य शो को नहीं छोड़ेंगे धीरज धूपर

छोटे पर्दे के सबसे मशहूर एक्टर धीरज धूपर एक बार फिर से सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल पिछले काफी दिनों से यह चर्चा तेजी हो रही है कि धीरज धूपर अपने टीवी शो कुंडली भाग्य को छोड़ रहे हैं। इसके बाद से धीरज और कुंडली भाग्य सीरियल के फैन्स में काफी निराशा का महौल बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिससे धीरज धूपर के चाहने वालों के चेहरे पर मुस्कान जरूर आएगी। गौरतलब है कि धीरज धूपर के इंडियन टेलीविजन के फेमस शो कुंडली भाग्य से अलग होने को लेकर अलग-अलग तरीके की खबरें अब तक सामने आ चुकी हैं। फिलहाल इस मामले से जुड़ी एक नई खबर सामने आ रही है, जिसके तहत ऐसा दावा किया जा रहा है कि धीरज धूपर इस टीवी शो को छोड़ नहीं रहे बल्कि कुछ दिन के लिए शॉर्ट ब्रेक ले रहे हैं। आने वाले समय में धीरज धूपर कुंडली भाग्य टीवी सीरियल में वापसी कर सकते हैं। ऐसे में थोड़े समय के लिए करन लूथरा और प्रीता उर्फ श्रद्धा आर्या की जोड़ी फैन्स को देखने को नहीं मिलेगी। लेकिन पॉजीटेव फैक्ट यह है कि धीरज आगे चलकर इस शो में नजर आ सकते हैं। दरअसल जब यह खबर सामने आयी थी कि धीरज धूपर कुंडली भाग्य शो को छोड़ रहे हैं, तो फैन्स ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया। जिसके तहत उन्होंने नो धीरज नो कुंडली भाग्य ट्रेंड कराया था। हालांकि अब इस लेटेस्ट खबर से कहीं न कहीं धीरज धूपर के फैन्स को राहत तो मिली होगी। इसके अलावा कुंडली भाग्य में करन लूथरा के किरदार के लिए मशहूर टीवी एक्टर शक्ति का नाम भी सामने आ चुका है। बता दें कि धीरज धूपर अपनी अपकमिंग पंजाबी मूवी के लिए यह ब्रेक ले रहे हैं।

ब्लॉकबस्टर साबित हुई कमल हासन की 'विक्रम'

टी साउथ इंडस्ट्री की बड़ी फिल्म विक्रम आज यानी 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है, जिसके जरिए कमल हासन ने फिल्मी पर्दे पर चार साल बाद वापसी की है। कमल हासन की इस फिल्म के साथ सिनेमाघरों में आज ही अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटिड फिल्म सम्राट पृथ्वीराज और अदिवी शेष की मेजर भी रिलीज हो गई है। विक्रम एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें कमल हासन तोड़ा-फोड़ी करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में दर्शकों को भी कमल हासन की यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। सोशल मीडिया पर फैंस इस फिल्म के लिए अच्छा-खासा रिएक्शन दे रहे हैं। कमल हासन की इस एक्शन फिल्म को अब तक जिन लोगों ने भी देखा है, उन्होंने फिल्म के लिए सकारात्मक बात ही कही है। सोशल मीडिया पर लोगों ने कमल हासन की इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर बताया है। एक यूजर ने अभिनेता की तारीफ करते हुए लिखा, विक्रम को हर तरह के दर्शकों से पॉजिटिव रिव्यू मिल रहा है। दूसरे यूजर ने लिखा, सब जगह पर ब्लॉकबस्टर रिव्यू देखकर खुश हूं।

फैंस के साथ-साथ सब ने इस फिल्म को अच्छा बताया है। फिल्म के आखिरी सीन पर थिएटर तालियों से गूंज उठता है। इसी तरह एक और फैन ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, ब्लॉकबस्टर। कमल हासन की इस फिल्म में दर्शकों ने अभिनेता सूर्या के काम को भी खूब पसंद किया है। फिल्म में अभिनेता का ज्यादा लंबा सीन नहीं है लेकिन स्क्रीन पर उनकी एंट्री फैंस को और ज्यादा एक्साइटेड कर देती है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर सूर्या के लुक की फोटो शेयर कर अभिनेता को शानदार बताया। फैंस कमेंट के साथ-साथ कई मजेदार मीम्स भी शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने मीम शेयर किया, जिसमें उन्होंने आरआरआर और केजीएफ को हारते हुए दिखाया गया है और विक्रम की जीत दिखाई है। फिल्म की बात करें तो विक्रम का निर्देशन लोकेश ने किया है, जिसमें कमल के अलावा विजय सेतुपति, शिवानी, फहाद भी अहम किरदार निभाते नजर आए हैं।

कियारा ने बताया कैसा लाइफ पार्टनर चाहती हैं वह

कियारा आडवाणी इस समय रिलीज हुई फिल्म भूल भुलैया 2 की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं। इसके साथ ही अपनी आगामी फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशन्स में व्यस्त हैं। हाल ही में कियारा आडवाणी ने अपनी पर्सनल च्वॉइसेस के बारे में एक इंटरव्यू में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि आखिर वह अपने लाइफ पार्टनर में क्या खूबियां देखती हैं।

बॉलीवुड | मसाला

कियारा आडवाणी इस समय सिद्धार्थ मल्होत्रा संग रिलेशनशिप में हैं, ऐसी चर्चाएं हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को कन्फर्म नहीं किया। दोनों ही अक्सर पार्टीज और लंच-डिनर पर साथ में स्पॉट होते हैं। कियारा आडवाणी ने खुलकर बताया कि वह अपने आइडियल पार्टनर में किन खूबियों को देखती हैं। कियारा आडवाणी ने कहा कि मैं अपने लाइफ पार्टनर में सच्चाई, केयर और मजेदार चीजें देखना पसंद करूंगी। अंडरस्टैंडिंग, इज्जत, सच्चाई और विश्वास, ये चीजें एक रिश्ते में बेहद जरूरी होती हैं। अगर लड़के में अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर हो तो सोने पर सुहागा होगा। मैं चाहती हूं कि वह मुझे प्यार महसूस कराए, मुझे देखे और सुने और मुझे कभी भी ग्रांटेड न ले। कियारा आज इंडस्ट्री की मोस्ट प्रॉमिसिंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। उनके पास फिल्मों के ढेर सारे ऑफर्स हैं। कई बड़े ब्रैंड्स की भी कियारा पहली पसंद बन चुकी हैं। कियारा आडवाणी ने अपने करियर में अब तक 8 फिल्में की हैं, जिसमें से 4 फिल्में हिट हुई हैं। वहीं, कियारा की अपकमिंग फिल्म जुग जुग जियो के ट्रेलर को भी दर्शकों ने सुपरहिट बता दिया है। ऐसे में कियारा की अपमकिंग फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा सकती है। कियारा आडवाणी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2014 में आई फिल्म फगली से की थी। लेकिन उनकी पहली ही फिल्म फ्लॉप हो गई थी।

अजब-गजब | इस चमत्कारी मंदिर की कहानी

यहां हर रात गायब हो जाती थी द्वारकाधीश की मूर्ति

भारत मंदिरों का देश हैं और यहां कई रहस्यमय और चमत्कारिक मंदिर हैं। भगवान श्रीकृष्ण के भी कई चमत्कारी मंदिर भारत में हैं। उनसे जुड़े किस्से कहानियां हर किसी को हैरान कर देती हैं। ऐसा ही श्रीकृष्ण का एक चमत्कारी मंदिर रतलाम में भी है। इस मंदिर को द्वारकाधीश मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर से जुड़ी कहानी हर किसी को हैरान कर देती है। शहर के बीचों-बीच सुनारों की गली में स्थित यह द्वारकाधीश मंदिर करीब 300 साल पुराना है। इस मंदिर में स्थापित भगवान द्वारकाधीश की मूर्ति बड़ी चमत्कारी मानी जाती है।

हर रात गायब हो जाती थी मूर्ति

बताया जाता है कि इस मंदिर में साधुओं की जमात से ली गई प्रतिमा शहर के पालीवाल मारवाड़ी ब्राह्मण समाज द्वारा स्थापित की गई थी। ऐसा कहा जाता है कि इस मूर्ति की स्थापना के बाद हर रात द्वारकाधीश की ये मूर्ति मंदिर से गायब हो जाती और अगले दिन उन्हीं साधुओं के पास मिलती, जिनसे लेकर इस मूर्ति को मंदिर में स्थापित किया गया था। बताया जाता है कि कई सालों तक ये सिलसिला चलता रहा था।

ऐसे हुआ गायब होना बंद

रिपोर्ट्स के अनुसार, जब कई सालों तक मूर्ति के गायब होने का सिलसिला जारी रहा तो इसके बाद इस मर्ति को अभिमंत्रित करवाया गया। तभी से ही भगवान द्वारकाधीश यहां विराजित हैं और लोग दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस मंदिर में पालीवाल परिवार की पीढ़ियों सेवा पूजा करती आ रही हैं। परिवार के सदस्य ही पूजा-पाठ और आरती करते हैं।

मंदिर में खास

मुख्य द्वारकाधीश मंदिर की शैली के अनुरूप यहां सात गोलाईनुमा दरवाजे हैं। वहीं भगवान की मूर्ति काले पत्थर से बनी है। हर रोज भगवान द्वारकाधीश की मूर्ति का आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। रात में भगवान के शयन के लिए गर्भ गृह में एक छोटा पलंग व शयन के वस्त्र भी रखे जाते हैं।

आखिर एक ट्रेन को बनाने में आता है कितना खर्च? इंजन का दाम सुन खुला रह जाएगा मुंह

भारत में ज्यादातर लोग ट्रेवल करने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। भारतीय रेलवे नेटवर्क देश के कोने-कोने में फैला है। चाहे कम दूरी के लिए हो या लंबी, इंडियन रेलवे हमेशा पहली पसंद होता है। आखिर हो भी क्यों ना? जिन इलाकों में सड़कें नहीं है, वहां भी रेल की पटरियां मौजूद है। इसके अलावा अगर लंबी दूरी तय करना हो, तो उसके लिए ट्रेन में आराम से सोकर जाने की व्यवस्था होती है। इस कारण लोग ट्रेनों को ही प्रेफर करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि जिस ट्रेन से आप सफर करते हैं, उस पूरी ट्रेन का दाम कितना होगा? जब कभी मार्केट में नई कार या बाइक लॉन्च होती है तो लोग उसके फीचर्स के अलावा उसके दाम में भी इंट्रेस्ट दिखाते हैं। ऐसे में जरा सोचिये कि इतनी बड़ी ट्रेन, जो रोज इतने लोगों को एक से दूसरे जगह स्थान पहुंचाती है, उसकी कितनी कीमत होगी? एक ट्रेन को बनाने में आखिर कितना पैसा खर्च होता होगा? आज हम आपको इसी सवाल का जवाब देंगे। ट्रेन के हर कोच और इसकी सुविधा के अनुसार उसकी कीमत तय की जाती है। ऐसे में जनरल बोगी, स्लीपर और एसी कोच के दाम अलग-अलग होते हैं। अगर ट्रेन की कीमत की बात कर रहे हैं, तो जनरल पैसेंजर ट्रेन की कीमत करीब पचास से साठ करोड़ रुपए आंकी जाती है। ये बाकी ट्रेन से कम है। क्योंकि पैसेंजर ट्रेन में सुविधाएं भी कम होती हैं। इसके अलावा एक्सप्रेस ट्रेन, जिसमें करीब 24 कोच होते हैं, उसकी कीमत अलग है। एक्सप्रेस ट्रेन के हर कोच को बनाने में करीब दो करोड़ की लागत आती है। ऐसे में हर कोच के हिसाब से इसकी कीमत बैठती है 48 करोड़ रुपए। वहीं अगर इसके इंजन की कीमत जोड़ दें, तो दाम और बढ़ जाएंगे। सारे ट्रेन्स की कीमत उसके कोच में मिलने वाली सुविधा पर निर्भर करता है। अगर ट्रेन जनरल है, तो उसकी कीमत कम होगी। क्योंकि उसमें सुविधाएं कम हैं। लेकिन हां, अगर स्लीपर की बात करें, तो इसके कोच को बनाने में ज्यादा पैसे लगेंगे। अब एसी के कोच में आइए। एयर कंडीशनर व लगाने से लेकर कांच फिट करने और तमाम सुविधाओं को जोड़ देने से उसकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है।

बारातियों से भरी कार पलटी तीन की मौत, दो जख्मी

» महराजगंज हाईवे पर हुआ हादसा, घायलों का हो रहा इलाज

» मामले की जांच कर रही पुलिस, बारात में शामिल होने जा रहे थे कार सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महराजगंज। प्रदेश के महराजगंज में हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ। यहां एक कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रविवार रात नौतनवा थाना इलाके के मिश्रवलिया रतनपुर से बारात पुरंदरपुर थाना इलाके के सिसवनिया विशुन जा रही थी। बारात में पांच लोग एक कार से जा रहे थे। कार जैसे ही पिपरा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंची तो सामने से आ रही गाड़ी की रोशनी की वजह से बेकाबू होकर एक पेड़ से टकराते हुए पलट गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में रामकिशुन मद्धेशिया निवासी रतनपुर मिश्रवलिया, नीरज उर्फ गोलू निवासी रतनपुर मिश्रवलिया व श्रवण गिरि निवासी परसा सुमाली गोसाईं टोला की मौत हो गई। वहीं महावीर निवासी रतनपुर और हरिद्वार निवासी महदेईया घायल हैं। महावीर की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष कोल्हुई अभिषेक सिंह ने बताया कि अनियंत्रित कार पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दो सगी बहनों को अज्ञात वाहन ने रौंदा

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ थाना क्षेत्र में 10 नंबर गुमटी के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार लखनऊ निवासी दो सगी बहनों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एसओ अमित सिंह ने बताया कि मृतकों में एक का नाम चांदनी गंगवार (22) व दूसरी का नाम पूर्वांचल गंगवार (20) है। दोनों बहनें लखनऊ के गोमतीनगर सहारा हॉस्पिटल दूरदर्शन कॉलोनी में रहती हैं। एसओ ने बताया कि परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। बहनों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला महिला का शव, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। शाहगंज के अर्जुन नगर स्थित सिंधी कॉलोनी में रविवार की रात को 55 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मृत मिली। पति की फोन कॉल को रिसीव नहीं करने उन्होंने रिश्तेदार को घर पर भेजा तब मामले की जानकारी मिली।

सीओ लोहामंडी अर्चना सिंह ने बताया कि मृतका का नाम प्रतिभा पत्नी राकेश कुलश्रेष्ठ है। सिंधी कॉलोनी में उनका पैतृक मकान है। प्रतिभा अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भरतपुर में रहती थीं। मकान की देखभाल को यहां पर कभी-कभी आती थीं। वह बिजली का बिल आदि जमा कराने के लिए दो सप्ताह पहले यहां आई थीं। रविवार सुबह करीब दस बजे पति ने उनसे मोबाइल पर बात की। कुछ घंटे बाद दोबारा फोन किया तो प्रतिभा ने कॉल रिसीव नहीं की। देर रात तक पत्नी से संपर्क नहीं होने पर पति को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने शाहगंज में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार को घर पर भेजा। वह घर आया तो प्रतिभा को मुंह के बल फर्श पर पड़ा पाया। उनकी मौत हो चुकी थी। सीओ ने बताया कि घर में प्रथम दृष्टया लूटपाट जैसी कोई बात नहीं दिखी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का पता चलेगा।

कानपुर हिंसा: मास्टरमाइंड हयात समेत चार को जेल

» सात और उपद्रवी गिरफ्तार संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस तैनात, 36 हैं नामजद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। शहर में परेड नई सड़क से दादा मियां हाता में बवाल का मास्टरमाइंड हयात जफर हाशमी और उसके तीन साथियों को रविवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने हयात और उसके साथियों को जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस ने बवाल में सात और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अबतक 29 उपद्रवियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात है।

परेड नई सड़क पर शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया था। पथराव और तोड़फोड़ में लोग घायल हुए थे। बवाल शांत कराने के बाद पुलिस ने तीन मुकदमे दर्ज करके 36 नामजद और हजारों अज्ञात को शामिल किया था। पुलिस ने बवाल के मास्टरमाइंड आरोपी जौहर फैंस एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी और उसके तीन साथियों जावेद अहमद, मोहम्मद राहिल और मोहम्मद सुफियान को गिरफ्तार किया था। रविवार को इन आरोपियों को विशेष कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने हयात समेत सभी आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में 14 दिनों के लिए जेल भेजने का आदेश दिया। संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया शनिवार तक 22 लोग गिरफ्तार किए गए थे। रविवार तक सात और उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में केरल के पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के शामिल होने के संकेत मिल रहे हैं। पीएफआई से हयात का कनेक्शन की भी जांच की जा रही है।

पेड़ पर लटका मिला अधेड़ का शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। अझौता गांव के जंगल में रविवार को पेड़ से फंदे पर लटका एक अधेड़ का शव देख सनसनी मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। उसकी पहचान गांव निवासी संजीव के रूप में हुई। परिजनों ने उसके नशे का आदी होने और आत्महत्या करने की तहरीर दी है।

अझौता गांव के जंगल में गांव निवासी बबलू के खेत में आम के पेड़ से चुन्नी से फांसी का फंदा लगा हुआ एक युवक का शव लटका देख ग्रामीणों में सनसनी मच गई। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की शिनाख्त कराई तो वह गांव निवासी 44 वर्षीय संजीव निकला। परिजनों ने बताया कि संजीव चुन्नी लेकर घर से निकला था और फिर वापस नहीं लौटा था। इंस्पेक्टर दौराला, रमाकांत पचौरी ने कहा कि परिजनों ने आत्महत्या करना बताया है। पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए कानूनी कार्रवाई की गई है।

सरयू में चार दोस्त डूबे, दो का मिला शव, एक लापता

» एक को स्थानीय लोगों ने बचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के केवटला घाट पर सरयू नदी में रविवार को नहाने गए चार दोस्त डूब गए। एक युवक को स्थानीय लोगों ने किसी तरह बचा लिया लेकिन तीन अन्य बह गए। एसडीएम व सीओ टांडा की मौजूदगी में गोताखोरों ने दो युवकों के शव निकाल लिये जबकि तीसरे युवक का पता नहीं चल सका।

हंसवर थाना क्षेत्र के फरीदपुर सैफन गांव निवासी आदर्श कुमार श्रीवास्तव (18), जैनुद्दीनपुर निवासी सुनील गुप्ता (18), टड़वा दरब निवासी वीरेंद्र (20) व हंसवर निवासी अजय मौर्य (20) रविवार को एक साथ सरयू नदी में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक आदर्श का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसके चीखने पर दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन नाकामी हाथ लगी। उसे बचाने के प्रयास में अन्य दोस्त भी भी डूबने लगे। चीख-पुकार पर नदी में नहा रहे अन्य लोगों ने वीरेंद्र को तो किसी तरह बचा लिया लेकिन अन्य युवक नदी की गहराई में समा चुके थे।

जानकारी मिलने पर एसडीएम टांडा दीपक वर्मा, सीओ टांडा संतोष कुमार, तहसीलदार वंशराज हंसवर पुलिस टीम के साथ मौके पर पर पहुंच गए। तब तक गोताखोर भी घाट पर पहुंच गए। गोताखोरों ने डूबे युवकों की तलाश शुरू कर दी। लगभग एक घंटे के अथक प्रयास के बाद घटनास्थल से कुछ दूरी पर पहले आदर्श का शव मिला। कुछ देर बाद ही सुनील के शव को भी गोताखोरों ने बरामद कर लिया। अजय की तलाश में गोताखोर लगे रहे लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। एसओ हंसवर विजय तिवारी ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। खबर लिखे जाने तक तीसरे युवक की तलाश जारी थी।

कोरोना पलायन: मजदूरों के खाते में पहुंचेंगे नीलाम साइकिलों से मिले पैसे

दो साल से रखी थीं मजदूरों की साइकिलें, 5400 साइकिलों को किया गया नीलाम

गीताश्री

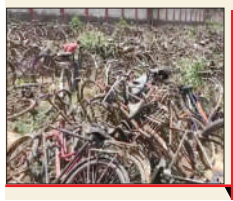

14 हजार से अधिक मजदूर वापस ले गए थे साइकिल

लॉकडाउन में कई हजार मजदूर अपनी साइकिल सहारनपुर में छोड़ गए थे। उस दौरान इन मजदूरों को एक-एक टोकन भी दिया गया था। इन टोकन के आधार पर 14 हजार 600 मजदूर अपनी साइकिल ले गए लेकिन 5 हजार 400 मजदूर ऐसे थे जो दो वर्ष बाद भी साइकिल लेने नहीं पहुंच सके। दो साल के इंतजार के बाद अब प्रशासन ने इन सभी साइकिल को 21 लाख 20 हजार रुपये में नीलाम कर दिया।

लखनऊ। कोरोना काल में अपने घरों को लौटने वाले मजदूरों की 5400 साइकिलों को नीलाम कर दिया गया है। ये मजदूर संक्रमण के बीच हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से अपने घर जाने के लिए निकले थे। उस समय तपती धूप और भूख-प्यास के बीच यही साइकिलें इन मजदूरों की बैसाखी बनी थीं। इनकी नीलामी से 21 लाख 20 हजार रुपये हासिल हुए थे। नीलामी पर डीएम ने कहा है कि साइकिलों की नीलामी से जो रकम मिली है उसे हम मजदूरों के ही खातों में पहुंचाएंगे।

लॉकडाउन में जब मजदूरों का काफिला हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पंजाब की ओर से यूपी की ओर बढ़ा तो उन्हें यूपी के बॉर्डर पर सहारनपुर प्रशासन ने रोक लिया था। यहां राधा स्वामी सत्संग व्यास केंद्र में उस समय मजदूरों को ठहराया गया था और उनके खाने-पीने की व्यवस्था करने के साथ-साथ उन्हे यहां से बसों और ट्रेनों के जरिए उनके प्रदेशों तक पहुंचाया गया था। उसी दौरान मजदूरों की साइकिलों को राधा स्वामी सत्संग व्यास के मैदान में रखवा दिया गया था। पिछले दो वर्षों से ये सभी साइकिलें यहां रखी हुई थीं, लेकिन अब जिला प्रशासन ने इनमें से 5400 साइकिल नीलामी कर दी हैं।

सभी 5400 साइकिल महज 21 लाख रुपये में बेच दी गईं। इस तरह एक साइकिल की औसत कीमत लगभग 370 रुपये बनी यानी मजदूरों ने अपनी खून-पसीने की कमाई से जो साइकिल खरीदी थी उन्हें प्रशासन ने 370 रुपये में नीलाम कर दिया।

यूपी विधान मंडल में महिला सदस्यों की संख्या और बढ़ाने की जरूरत : राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान मंडल की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि यूपी देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां अभी भी विधानसभा और विधान परिषद में आधी आबादी यानी महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने विधायकों को भी लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखने की भी नसीहत देते हुए कहा कि बिना भेदभाव के जनता के बीच सेवा करने का काम करें।

कोविंद ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी ने मेरे साथ मेरे गांव का दौरा किया यह मेरे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में महिलाओ की संख्या 47 है जबकि विधानपरिषद में 91 सदस्यों में केवल 5 हैं। दोनों ही सदनों के महिलाओं की संख्या को और बढ़ाने की जरूरत है। कम से कम सदन में आधी आबादी की 12 फीसदी संख्या होनी चाहिए। इस दिशा में सदन को अभी और सोचने की जरूरत है और महिलाओं को आगे लाने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश की गौरव गाथा का वर्णन करते हुए कहा की यूपी से अब तक 9 पीएम देश को मिल चुके हैं। पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू और प्रथम महिला पीएम इंदिरा गांधी चुनी गईं थीं। कोविंद ने इस दौरान चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेई का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि यूपी में ऐसी विभूतियों से काफी कुछ सीखा जा सकता है। कोविंद ने कहा कि यूपी में सुचेता कृपलानी यूपी की पहली महिला सीएम बनीं थीं। इस दौर में पहली बार महिला सशक्तिकरण की शुरूआत हुई थी। इस मौके पर रामनाथ कोविंद ने इस मौके पर योगी सरकार के काम काज की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि आजकल के नेताओं में राजनीतिक परंपरा को लेकर गिरावट देखी जा रही है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। राजनीतिक दल अलग अलग हो सकते हैं उनकी विचारधारा अलग अलग हो सकती हैं लेकिन मर्यादा हमेशा बनी रहनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर होता है। सभी को इसकी गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। हर विधायक जनता का प्रतिनिधि होता है। विधायक बनने के बाद इस बात में भेद नहीं करना चाहिए कि किसने वोट दिया है किसने नहीं।

रामनाथ कोविंद ने यूपी विधानमंडल की बैठक को किया संबोधित

इस प्रदेश ने एक से बढ़कर एक विभूतियां दी : राज्यपाल

विधानमंडल के संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि यूपी विधानमंडल ने देश को कई महान विभूतियां दी हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूपी से ही बड़े पदों पर पहुंचे हैं। हमें अपने गणतंत्र पर गर्व है। राष्ट्रपति का संबोधन विधानमंडल के सभी सदस्यों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा।

साधारण परिवार के व्यक्ति का सर्वोच्च पद पर पहुंचना गर्व की बात : सीएम

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए यूपी विधानमंडल के दोनों सदनों को संबोधित करने का आग्रह स्वीकार करने के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साधारण से परिवार में जन्म लेने के बाद देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचना यह भारत के लोकतंत्र के लिए गर्व की बात है।

भेदभाव खत्म हुए बिना आजादी का कोई मतलब नहीं : अखिलेश

मुख्यमंत्री से पहले नेता प्रतिपक्ष व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सदन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति का स्वागत किया और उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं पर यह भी सच है कि बिना भेदभाव खत्म हुए बिना किसी भी आजादी का कोई मतलब नहीं है। भले ही कोई कितने बड़े पद पर पहुंच गया हो पर ऐसा नहीं हो सकता है कि उसने भेदभाव का सामना न किया हो।

सुनील बंसल ने कहा

बूथों को तीन श्रेणियों में बांटकर काम करेगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले चुनावों में प्राप्त वोटों के आधार पर पोलिंग बूथों को ए, बी और सी श्रेणी में बांटकर काम करना होगा। इसमें निरंतर विजय प्राप्त कराने वाले बूथों को ए, कभी जीत-कभी हार वाले बूथों को बी और कभी चुनाव न जिताने वाले बूथों को सी कैटेगरी में बांटा जाये। सी कैटेगरी वाले बूथों पर मेहनत कर उनको सशक्त किया जाए। यह निर्देश प्रदेश संगठन मंत्री सुनील बंसल ने सीतापुर रोड स्थित एक कम्युनिटी हॉल में आयोजित बूथ सशक्तीकरण बैठक में दिए।

वे यहां आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने आये थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 174203 बूथ हैं जिसमें सी कैटेगरी के 25 हजार बूथ हैं। इन बूथों पर जनप्रतिनिधि केंद्रित अभियान चलाया जाएगा। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि लखनऊ से राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी प्रत्येक विधानसभा में 20 बूथों पर जाकर जनसंपर्क करेंगे। 15 से 30 जून तक यह अभियान चलेगा। जुलाई में शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क किया जाएगा। इस दौरान ऐसे समर्थकों को चिह्नित कर कार्यकर्ता बनाया जाएगा, जो आगे पार्टी को मजबूत कर सकें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री गोविंद शुक्ला, महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा, आशुतोष टंडन आदि मौजूद रहे।

अखिलेश के बाद मायावती भी भाजपा पर गरजी, बोलीं

नूपुर को सस्पेंड करने से काम नहीं चलेगा उनको जेल भेजा जाए

» पुलिस कार्रवाईयों में निर्दोष लोगों को परेशान ना किया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किए जाने के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने हमलावर होते हुए कहा कि उनको सस्पेंड व निकालने से काम नहीं चलेगा बल्कि उनको सख्त कानूनों के तहत जेल भेजना चाहिए। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कानपुर में हुई हिंसा के लिए नूपुर शर्मा को जिम्मेदार ठहराते हुए वैधानिक कदम उठाने की मांग की थी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा कि देश में सभी धर्मों का सम्मान जरूरी। किसी भी धर्म के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं। इस मामले में बीजेपी को भी अपने लोगों पर सख्ती से शिकंजा कसना चाहिए। केवल उनको सस्पेंड व निकालने से काम नहीं चलेगा बल्कि उनको सख्त कानूनों के तहत् जेल भेजना चाहिए। मायावती ने कहा, इतना ही नहीं बल्कि कानपुर

में अभी हाल ही में जो हिंसा हुई है, उसकी तह तक जाना बहुत जरूरी। साथ ही, इस हिंसा के विरुद्ध हो रही पुलिस कार्रवाईयों में निर्दोष लोगों को परेशान ना किया जाए, बीएसपी की यह भी मांग है। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को रविवार को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि नूपुर शर्मा ने पिछले महीने एक न्यूज चैनल पर डिबेट के दौरान इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद साहब पर विवादित टिप्पणी की थी। कहा जा रहा है कि इन्हीं बयानों के कारण कानपुर में हिंसा भी भड़की थी। हालांकि इस बीच नुपूर शर्मा ने माफी भी मांगी थी।

लखनऊ में बनेगा यूपीएमआरसी का कंट्रोल रूम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले में मेट्रो चले, उस पर लखनऊ से भी नजर रखी जा सकेगी। इसके लिए सहकारिता भवन के पीछे कई एकड़ जमीन पर कंट्रोल रूम बनाने की कवायद जल्द शुरू होने जा रही है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड की मंशा है कि मेट्रो का कंट्रोल रूम संबंधित जिले में तो बनाया ही जाए, इसके अलावा बैक अप की व्यवस्था लखनऊ से हो। यही नहीं भविष्य में कानपुर, आगरा, गोरखपुर, बनारस सहित जिस भी जिले में मेट्रो चलेगी, उसकी मानिटरिंग लखनऊ से होगी।

» मेट्रो की निगरानी के साथ बैकअप भी करेगा तैयार

आपात स्थिति में संबंधित जिले को अवगत कराने का काम लखनऊ का कंट्रोल रूम करेगा या फिर कोई घटना की जांच करने में इस कंट्रोल रूम का उपयोग किया जाएगा। लखनऊ में एक कंट्रोल रूम ट्रांसपोर्ट नगर स्थित यार्ड में बना है। कंट्रोल रूम के जरिए मेट्रो में सफर करने वाले किसी भी यात्री व मेट्रो चालक से जहां बात की जा सकती है, वहीं मेट्रो के संचालन में यह कंट्रोल रूम अहम भूमिका निभाता है। यही नहीं, आपात स्थिति से निपटने के लिए भी कंट्रोल रूम मेट्रो चालक को सतर्क करने के साथ ही आगाह भी करता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।